



संस्कृति विभाग  
उत्तर प्रदेश



आज़ादी का  
अमृत महोत्सव



# लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान, 30प्र० (संस्कृति विभाग, 30प्र० का स्वायत्तशासी संगठन)

## परिचय

- ❖ स्थापना - सन् 1986
- ❖ कार्यालय - नवम् तल, जवाहर भवन, लखनऊ
- ❖ कार्यक्षेत्र - सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश
- ❖ लोक कलाओं का संरक्षण, संवर्धन, एवं प्रस्तुतीकरण
- ❖ जनजातीय संस्कृति एवं परम्परा का संरक्षण, संवर्धन,  
एवं मंच प्रदान करना



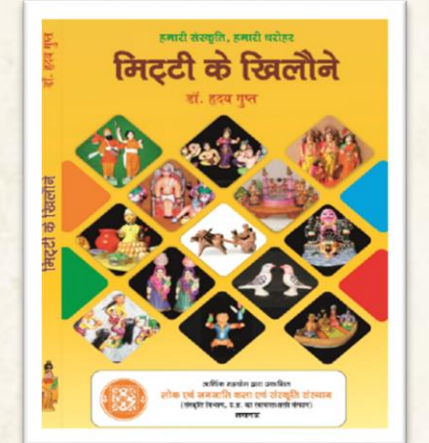
# उद्देश्य

- ❖ लोक कला एवं संस्कृति का शोध, विकास एवं बढ़ावा देना
- ❖ ऐसी संस्थाओं को बढ़ावा देना जो लोक, जनजाति, कला, संस्कृति के संरक्षण तथा विकास में प्रयासरत हो
- ❖ लोक, जनजाति, कला, संस्कृति के क्षेत्र में सेमिनार, कार्यशाला का आयोजन तथा अनुदान देना।
- ❖ ऐसे साहित्य का अनुवाद, संग्रहण एवं प्रकाशन करना जो लोक, जनजाति कला, संस्कृति से संबंधित हो।
- ❖ प्रदेश एवं प्रदेश के बाहर विभिन्न क्षेत्रों के मध्य सांस्कृतिक संबंधों को सुदृढ़ एवं संपुष्ट करना।



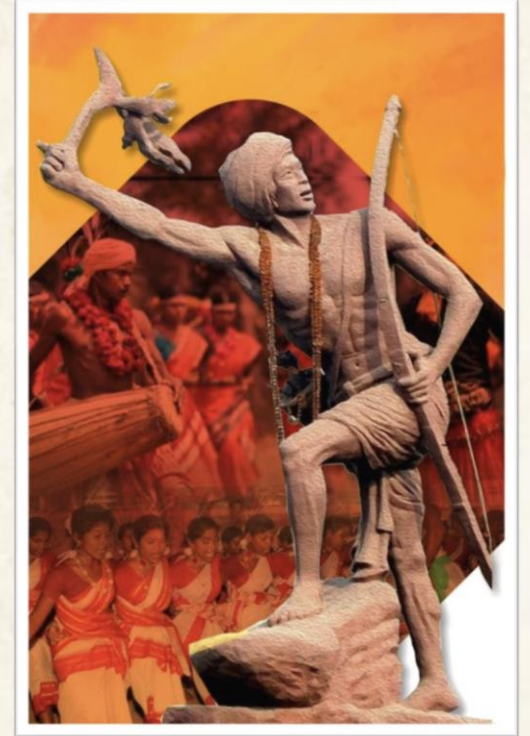
# विगत वर्षों की प्रमुख गतिविधियाँ

- ❖ वर्ष 2017 - लोक रंग कार्यक्रम
- ❖ वर्ष 2017 - इटावा में सांस्कृतिक कार्यक्रम
- ❖ वर्ष 2018 - गौतम बुद्ध नगर में पटेल जयंती के अवसर पर रागिनी कार्यक्रम
- ❖ वर्ष 2018 - इंदिरा गांधी नेशनल ओपेन यूनिवर्सिटी में थारु जनजाति पर कार्यशाला
- ❖ वर्ष 2019 - लखीमपुर खीरी में थारु माघ महोत्सव
- ❖ वर्ष 2019 - बलरामपुर में बसन्तोत्सव कार्यक्रम
- ❖ वर्ष 2019 - राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, लखनऊ में आयोजित लोक विमर्श कार्यक्रम
- ❖ वर्ष 2019 - पीलीभीत में महाराणा प्रताप जयंती के कार्यक्रम
- ❖ वर्ष 2021 - मिशन शक्ति के अनतर्गत कार्यक्रम
- ❖ चित्रकूट में सांस्कृतिक कार्यक्रम
- ❖ मिट्टी के खिलौने पुस्तक का प्रकाशन



# विगत वर्षों की प्रमुख गतिविधियाँ

- ❖ 20 जुलाई 2021 – “थारू जनजाति: विकास एवं संभावनाएं” विषयक बेविनार
- ❖ 26 जुलाई, 2021 - कारगिल विजय दिवस के अवसर पर “गौरवगान” कार्यक्रम
- ❖ 09 अगस्त, 2021 - विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर “आदि उत्सव” कार्यक्रम
- ❖ 14 अगस्त, 2021 - आजादी की पूर्व संध्या के अवसर पर “जरा याद करो कुर्बानी” कार्यक्रम
- ❖ 15 नवम्बर, 2021 – “जनजाति गौरव दिवस” कार्यक्रम
- ❖ संस्थान की नवीन वेबसाइट का विकास
- ❖ थारू जनजाति पर आधारित डाक्यूमेन्ट्री का विकास
- ❖ 29 अप्रैल 2022 - “आजादी के सबरंग” कार्यक्रम



# 20 जुलाई 2021 – “थारु जनजाति: विकास एवं संभावनाएं” विषयक बेविनार

लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान, लखनऊ  
(संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश)  
चौरी-चौरा शताब्दी महोत्सव एवं आज़ादी का अमृत महोत्सव  
के अन्तर्गत  
बेविनार  
विषय – “स्वाधीन भारत में थारु जनजाति : विकास एवं संभावनाएं”  
मंगलवार, दिनांक 20 जुलाई, 2021, अपराह्न 02:00 बजे

सुश्री दीपा सिंह रुपवंशी  
जनजाति और संघर्ष की विचार  
अध्यक्ष

डॉ० करुणा पाण्डे  
संस्कृति विभाग  
एवं जनजाति संस्कृति की अध्यक्ष

डॉ० राम प्रताप यादव  
जीयोरॉन प्रोफेसर  
जनसंस्कृति केविनार पुनर्निर्माण  
लखनऊ

डॉ० विद्या विन्दु सिंह,  
संस्कृति विभाग  
संस्कृति विभाग  
संस्कृति विभाग

प्रो० सूर्य प्रसाद दीक्षित  
पूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग  
लखनऊ विश्वविद्यालय



# 26 जुलाई, 2021 - कारगिल विजय दिवस के अवसर पर “गौरवगान” कार्यक्रम

लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान, लखनऊ  
(संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश)  
चौरी-चौरा शताब्दी महोत्सव एवं आज़ादी का अमृत महोत्सव  
के अन्तर्गत  
कारगिल विजय दिवस पर  
गौरव गान (आल्हा गायन)  
दिनांक 26 जुलाई, 2021 सायं 5:30 बजे

श्री सत्य अग्रवाली  
श्री सीतु मिश्र सक्सेना  
श्री अरुण कान्छो  
श्री रामरत्न भारद्वाज



## 09 अगस्त, 2021 - विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर “आदि उत्सव” कार्यक्रम



## 14 अगस्त, 2021 - आजादी की पूर्व संध्या के अवसर पर “जरा याद करो कुर्बानी” कार्यक्रम



# 15 नवम्बर, 2021 – “जनजाति गौरव दिवस” कार्यक्रम



# 29 अप्रैल 2022 - “आजादी के सबरंग” कार्यक्रम

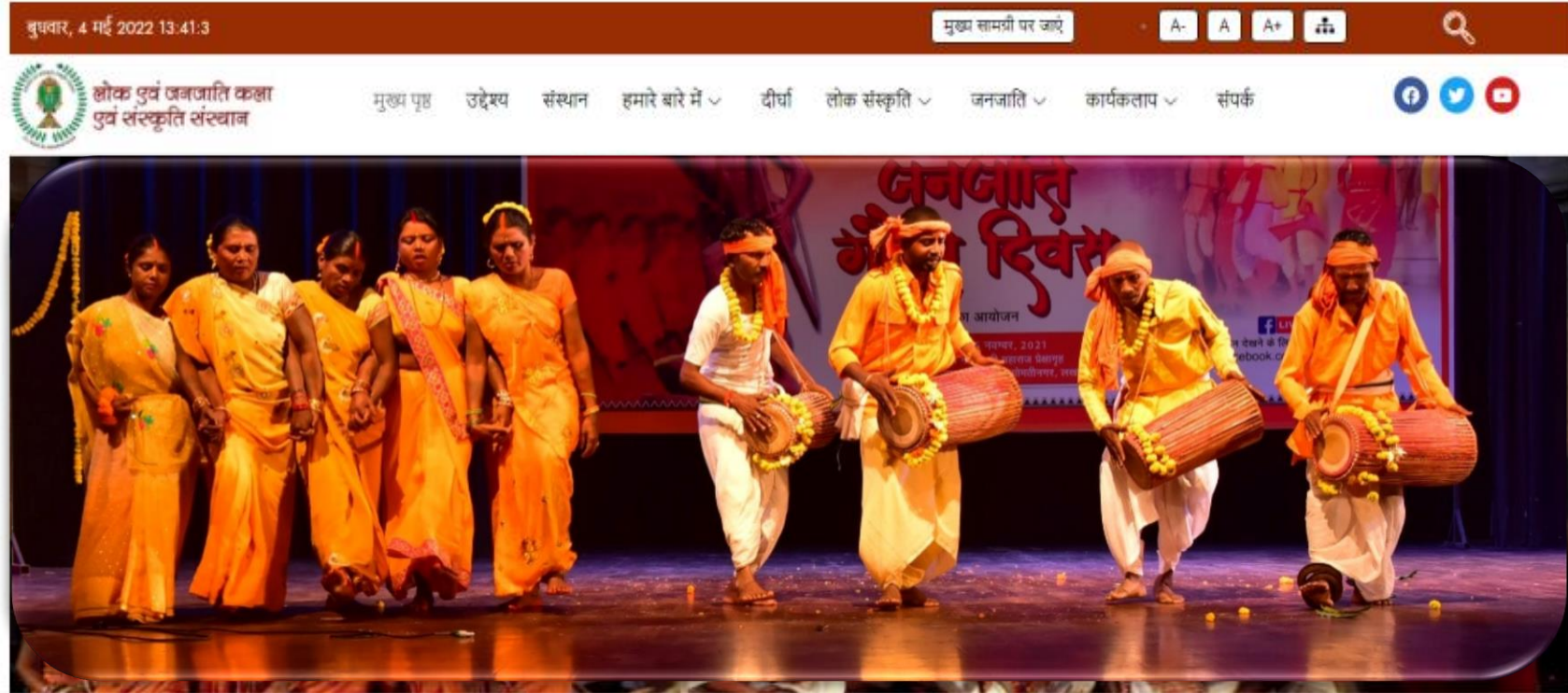


# लोक कलाओं का अभिलेखीकरण

प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति के अभिलेखीकरण योजना के अंतर्गत गैर सरकारी संगठन अनहद के सहयोग से प्रदेश की 25 सांस्कृतिक विधाओं की 50 लघु फिल्म तैयार करायी गई |



# संस्थान की नवीन वेबसाइट का विकास



श्री योगी आदित्यनाथ  
माननीय मुख्यमंत्री  
उत्तर प्रदेश

## उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान

लोक कला जन-मानस कि विचारधारा, आत्म चिंतन एवं जीवन शैली की स्वाभाविक अभिव्यक्ति है, जो क्षेत्रीय सर्जना का अप्रतिम उदाहरण प्रस्तुत करते हुए मानवीय मूल्यों के साथ अनुभूत, कल्पना एवं जन विश्वास का सम्मिश्रण है। सहजता, सादापन, सरलता एवं आत्मसंतोष इनकी मूल विशेषता है। लोक कला के विभिन्न स्वरूप हैं जो ग्रामों एवं नगरों में विद्यमान हैं, इनके पृष्ठभूमि में लोक गाथा, लोक धर्म एवं लोक परंपरा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन करते हैं, जो मूलतः प्रकृति पर निर्भर हैं, न कि बाज़ारवाद पर। पारिभाषिक रूप से 'लोक' का तात्पर्य ऐसी जनता जो अभिजात्य संस्कार, शास्त्रीयता, पांडित्य चेतना अथवा अहंकार से शून्य है तथा परंपरा के प्रवाह में जीवित है। भारतीय परंपरा में 'लोक' पूर्वजों एवं



श्री जयवीर सिंह  
माननीय मंत्री  
संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश



# “थारु जनजाति” पर डाक्यूमेन्ट्री का विकास

संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश

के अंतर्गत

लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान

लखनऊ,

उत्तर प्रदेश की प्रस्तुति



# आगामी कार्ययोजना

- ❖ जनजातीय गौरव दिवस – लखनऊ (भगवान बिरसा मुण्डा जयंती)
- ❖ वनटांगिया आदिवासी कलाकारों द्वारा कार्यक्रम – गोरखपुर
- ❖ लोक क्षेत्र में साधनारत मान्यता/ सम्मान प्रदान करना
- ❖ उ०प्र० के ०४ लोक अंचलों- ब्रज, अवध, बुन्देलखण्ड, पूर्वांचल में स्थानीय संस्थाओं के सहयोग से लोक कला एवं जनजाति कलाकारों को खोज कर मंच प्रदान करना (टैलेन्ट हंट- प्रतिभा खोज)
- ❖ वाराणसी, गोरखपुर, मथुरा एवं आगरा में लोक संस्कृति की कार्यशालाएं (स्थानीय विद्यालयों के सहयोग से)
- ❖ “लोकरंग” लोक कला एवं जनजाति संस्थान की स्मारिका का प्रकाशन
- ❖ जनजाति महोत्सव-कार्निवाल का आयोजन –वाराणसी
- ❖ लोकोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम -मथुरा
- ❖ ब्रज, अवध, बुन्देलखण्ड, पूर्वांचल की लोक संस्कृति पर डाक्यूमेंट्री का विकास
- ❖ जनजातीय नायकों पर लघु पुस्तिकाओं का प्रकाशन



# संगठनात्मक ढांचा

अध्यक्ष

शासन द्वारा मनोनीत

अधिशाली अध्यक्ष  
प्रमुख सचिव संस्कृति(पदेन)

कोषाध्यक्ष  
शासन द्वारा नामित

निदेशक  
शासन द्वारा नियुक्त

सामान्य सभा

कार्यकारणी परिषद





# दिन्यवाद



75  
आज़ादी का  
अमृत महोत्सव



<http://uplokkala.com/>

<https://www.facebook.com/folkandtribalartsup>

[https://twitter.com/Folk\\_Tribal\\_Art](https://twitter.com/Folk_Tribal_Art)

[https://www.youtube.com/channel/UCubkMM3KiuanEf9uZs\\_qN-g](https://www.youtube.com/channel/UCubkMM3KiuanEf9uZs_qN-g)

<https://www.instagram.com/folkandtribalartsup/>